INTER

28/4/2020

Part - B Ch-7

Long Answer Type Question

Q1. क्षेत्रवाद की राजनीति क्या है?

Ans→ भारत एक विशाल देश है जिसमें अनेक क्षेत्रों को देखा जा सकता है जैसे - जम्मू-कश्मीर में लद्दाख, गुजरात में सौराष्ट्र, उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड, महाराष्ट्र में विदर्भ, पश्चिमी बंगाल में दार्जिलिंग आदि। सभी क्षेत्रों के लोग अपना विकास चाहते हैं। चूँकि भारत सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया इसलिए क्षेत्रीय दल व गुट उभरे जिन्होंने अपनी माँगें उठायी। कुछ क्षेत्रीय दल उभरे जैसे - आन्ध्र प्रदेश में तेलुगु देशम, महाराष्ट्र में शिव सेना, बिहार में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्षेत्रीय आंदोलनों का बलपूर्वक दमन नहीं किया जा सकता अपितु जरूरी यह है कि ऐसे संगठन संवैधानिक साधनों का प्रयोग करें तथा संवैधानिक ढाँचे के भीतर अपनी समस्या का समाधान करें। झारखण्ड व छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों की रचना क्षेत्रवादी राजनीति की सफलता के उदाहरण है।

Teacher's Signature.........

Scanned by CamScanner

'Part - B' Ch - 7

Q 2. अखिल - भारतीय व क्षेत्रीय दलों में अंतर कीजिए?

Ans → अखिल - भारतीय पार्टी व पार्टी है जो सारे देश में या उसके अनेक राज्यों में (भागो में) कार्य करती है जैसे - कांग्रेस या भारतीय जनता पार्टी लेकिन क्षेत्रीय पार्टी का कार्य-क्षेत्र बहुत सीमित होता है। उसकी शाखाएँ किसी विशेष प्रान्त या राज्य या भाग तक ही सीमित होती है जैसे — आन्ध्र प्रदेश में तेलुगू-देशम या पंजाब में शिरोमणि अकाली दल। अखिल भारतीय पार्टी सारे देश के हित को अपने ध्यान में रखती है, जबकि क्षेत्रीय पार्टी का सरोकार अपने क्षेत्र के हित से होता है। हो सकता है कि ऐसी पार्टी राष्ट्रीय हित की उपेक्षा करके अपने क्षेत्रीय हित के लिए संघर्ष करे।

Q 3. पूर्वोत्तर के राज्यों की राजनीति पर कौन से तीन मुद्दे प्रमुख रूप हावी है?

Ans → पूर्वोत्तर राज्यों की राजनीति पर प्रमुख रूप से हावी तीन मुद्दे ये है — स्वायत्तता की माँग, अलगाववादी आंदोलन और बाहरी लोगों का विरोध। 1972 तक पूर्वोत्तर का पुनर्गठन पूरा हो चुका था, लेकिन

Teacher's Signature .... *

Part-B Ch-7

* स्वायत्तता की माँग स्वतः नहीं हुई। अलगाववादी आंदोलन तथा बाहरी लोगों के विरोध में अब कुछ सकारात्मक लक्षण भी दिखने लगे है।

Q3. पंजाबी सूबे की माँग का क्या अर्थ था?

Ans → 1956 में राज्यों का भाषाई आधार पर पुनर्गठन हुआ लेकिन मुंबई व पंजाब को द्विभाषी राज्य बनाया गया। इसलिए वहाँ भाषाई दंगे भड़क उठे। 1960 में गुजराती भाषी लोगों का गुजरात बना। अब पंजाब में चल रहे आंदोलन ने जोर पकड़ा। 1966 में हिन्दी भाषी लोगों को हरियाणा मिल गया। अब पंजाबी सूबे की माँग पूरी हुई। इसका श्रेय संत फतह सिंह के उदारवादी नेतृत्व को मिला। पंजाबी सूबे का अर्थ पंजाबी भाषी लोगों के स्वायत्तशासी प्रान्त की रचना से था।

Q4. असम में बाहरी लोगों के विरुद्ध आंदोलन क्यों हुआ?

Ans. असम में बाहरी लोगों के प्रति आंदोलन के प्रमुख कारण ———

*

Teacher's Signature..................

Scanned by CamScanner

Part-B ch-7

* — असम समेत पूर्वोत्तर भारत में बड़े पैमाने पर आ प्रवासी आ चुके है। भारत के दूसरे राज्यों अथवा किसी अन्य देश से आने लोगों को यहाँ की जनता रोजगार के अवसरों और राजनीतिक सत्ता में प्रमुख विरोधी के रूप में देखती है। यहाँ के स्थानीय लोग यह मानते है कि ये कथित बाहरी लोग उनकी जमीन और संसाधन छीन रहे हैं। इन स्थानीय लोगों का यह मानना है कि अगर बाहरी लोगों को वापस नहीं भेजा गया तो वे अल्पसंख्यक हो जायेंगे। इन लोगों का यह भी आरोप है कि उनके प्राकृतिक संसाधन बाहर भेजे जा रहे है जिसका कोई फायदा इन लोगों को नहीं हो रहा है।

Q 5. असम आंदोलन के मुख्य मुद्दे क्या थे।

Ans → असम आंदोलन के मुख्य तीन मुद्दे थे —

1/ भारत के दूसरे राज्यों अथवा किसी अन्य देश से आए लोगों को यहाँ की जनता रोजगार के अवसरों और राजनीतिक सत्ता के लिहाज से प्रतिद्वन्द्वी के रूप में देखती है।

Teacher's Signature.................... #

Scanned by CamScanner

Part-B Ch-7

\#

असम आंदोलन करने वालों का नारा है कि इन लोगों को असम से बाहर भेजा जाए।

ii) असम में तेल, चाय और कोयले जैसे प्राकृतिक संसाधनों की विद्यमानता के बावजूद व्यापक गरीबी है। लोग असम का तेजी से विकास चाहते हैं।

iii) असम के लिए व्यापक स्वायत्तता या स्वतंत्रता की माँग की गयी।

Q6 आनंदपुर साहिब प्रस्ताव के मुख्य प्रावधान क्या थे?

Ans → अकालियों द्वारा वर्ष 1973 में आनंदपुर साहिब स्थान पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में उन्होंने अपनी प्रमुख माँगों को एक प्रस्ताव का रूप दिया जिसे 'आनंदपुर साहिब प्रस्ताव' के नाम से जाना जाता है। इस प्रस्ताव के मुख्य प्रावधान निम्न थे —

(i) क्षेत्रीय स्वायत्तता की माँग का समर्थन किया गया।

(ii) सिख कौम (समुदाय) की आकांक्षाओं पर जोर दिया गया।

(iii) सिखों के हितों की रक्षा की बात की गई।

Teacher's Signature..................

Scanned by CamScanner

उत्तर

- part. B' - ch-7

Q7. कश्मीर की समस्या पर एक टिप्पणी लिखिए।

Ans → 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत और पाकिस्तान स्वतंत्र राज्य के अस्तित्व में आये। कश्मीर एक रियासत थी 26 अक्टूबर 1947 को तत्कालीन कश्मीरी शासक हरी सिंह ने इसका भारत में विलय कर दिया। पाकिस्तान ने कबायली घुसपैठ की आड़ में कश्मीर को हड़पने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने उसके इस इरादे को पूरा नहीं होने दिया लेकिन पाकिस्तान कश्मीर के एक निश्चित भाग पर अवैध कब्जा करने में सफल रहा। भारत का कहना है कि कश्मीर उसका अभिन्न अंग है। पाकिस्तान इसे विवादित क्षेत्र मानता है। भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का यही सबसे बड़ा कारण है। पाकिस्तान कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ करा कर वहाँ हिंसा फैलाता रहता है।

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner